'जितनी प्रैक्टिस करेंगे, उतना निखरेगा गणित'

पत्रिका PLUS रिपोर्टर

इंदौर ◆ श्री वैष्णव प्रबंध संस्थान इंदौर में दो दिवसीय गणितीय लेक्चर सीरीज मैथेमेटिकल लेक्चर्स ऑन एलजेब्रा एंड एनालिसिस का आयोजन किया गया। इसका मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में व्यापत गणितीय विषय के लिए भय को कम करना एवं गणित विषय में व्याप्त जटिलताओं को सरल बनाकर छात्रों का इस ओर रुझान बढ़ाना था।

इस श्रृंखला में डीएवीवी स्कूल ऑफ मैथेमेटिक्स से प्रो. राजेश्वरी, डॉ. महेश धुमालदार और आइआइटी इंदौर से डॉ. आनंद प्रकाश व डॉ. आशीषा तिवारी विषय विशेषज्ञ के रूप में मौजूद थे। प्रो. डॉ. राजेश्वरी ने एलजेब्रा विषय के विभिन्न आयामों को विस्तार से समझाते हुए विद्यार्थियों के प्रश्नों का उत्तर देते हुए इनकी जिज्ञासाएं शांत की। उन्होंने कहा, गणित की आप जितनी प्रैक्टिस करेंगे उतना ही बेहतर बनेंगे। डॉ. महेश धुमालदार ने एनालिसिस विषय के अंतर्गत रिमान इंट्रीगल को समझाते हुए बताया, कोई भी फलन किन शर्तों पर रिमान इंट्रीगल होता है। इसके लिए विभिन्न उदाहरण दिए। डॉ. आनंद प्रकाश ने एलजेब्रा विषय में कौशी

प्रमेय को समझाते हुए वेक्टर स्पेस, सबस्पेस एवं लिनियर मेपिंग को विस्तार से समझाते हुए विद्यार्थियो की जिज्ञासाएं शांत की। डॉ. आशीषा तिवारी ने एनालिसिस विषय के अंतर्गत कंटीन्यूटी ऑफ फंक्शन एवं डिफरेंशिएबिलिटी ऑफ फंक्शन को सत्यापित कर विद्यार्थियों की जिज्ञासाएं शांत की। स्वागत भाषण संस्थान के निदेशक डॉ. जॉर्ज थॉमस ने दिया। इस मौके पर सभी अतिथियों को पौधा भेंट कर स्वागत किया। संचालन रुचिरा मुछाल ने किया। आभार डॉ. जयेश तिवारी ने माना।

नैक के दौरे की तैयारी में जुटा विश्वविद्यालय

छात्रों ने ही बना दी 10 विभागों की वेबसाइट

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

इंदौर. नवंबर में होने वाले नैक के दौरे को लेकर देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने 10 विभागों की वेबसाइट तैयार की है। दो माह चले इस काम में 15 छात्र जुटे रहे। वे ही वेबसाइट अपडेट करेंगे।

कई विभागों की वेबसाइट नहीं थी और आईएमएस, आईआईपीएस, ईएमआरसी, लॉ कालेज, पत्रकारिता सहित 15 विभागों की वेबसाइट अपडेट नहीं रहती थीं। विवि प्रशासन ने सभी विभागों को वेबसाइट बनाने और अपडेट रखने के निर्देश दिए थे। इसके लिए विवि के दीनदयाल उपाध्याय केंद्र से वेबसाइट डिजाइनिंग का शार्ट टर्म कोर्स भी शुरू किया। इसमें 20 छात्रों ने डेढ़ माह का कोर्स पूरा कर वेबसाइट बनाई।

कोर्स होने के बाद छात्रों को एक-एक विभाग की वेबसाइट डिजाइन करने का असाइमेंट दिया गया। तीन आईटी कंपनियों के द्वारा छात्रों को ट्रेनिंग भी दी थी। नैक के निरीक्षण से पहले वेबसाइट काम करने लगेगी।

- डॉ माया इंगले, प्रभारी, दीनदयाल उपाध्याय केंद्र